नामांक				Roll No.		

No. of Questions — 1 + 4
No. of Printed Pages — 3

SS—28–1—Philos. I

उच्च माध्यमिक परीक्षा, 2011
SENIOR SECONDARY EXAMINATION, 2011
वैकल्पिक वर्ग I – कला (OPTIONAL GROUP I — Humanities)
दर्शनशास्त्र — प्रथम पत्र
(PHILOSOPHY — First Paper)

समय : 3 $\frac{1}{4}$ घण्टे

पूर्णांक : 60

परीक्षार्थियों के लिए सामान्य निर्देश :

GENERAL INSTRUCTIONS TO THE EXAMINEES :

1. परीक्षार्थी सर्वप्रथम अपने प्रश्न पत्र पर नामांक अनिवार्यतः लिखें।

   Candidate must write first his / her Roll No. on the question paper compulsorily.

2. प्रश्न पत्र के हिन्दी व अंग्रेजी रूपान्तर में किसी प्रकार की त्रुटि / अन्तर / विरोधाभास होने पर हिन्दी भाषा के प्रश्न को सही मानें।

   If there is any error / difference / contradiction in Hindi & English versions of the question paper, the question of Hindi version should be treated valid.

3. प्रश्न पत्र के दोनों खण्ड करने अनिवार्य हैं। **खण्ड 'ब'** के सभी प्रश्नों में आंतरिक विकल्प हैं।

   Both the Sections of the question paper are compulsory. There are internal choices in all the questions of Section *B*.

4. प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका में ही लिखें।

   Write the answer to each question in the given answer-book only.

खण्ड 'अ'

(Section – A)

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिये :

Write short notes on any *five* of the following : $5 \times 4 = 20$

(i) आस्तिक व नास्तिक

Astika and Nastika (orthodox and heterodox)

(ii) प्रकृति

Prakriti

(iii) ब्रह्म

Brahma

(iv) बौद्ध दर्शन में आर्य सत्य

Noble Truth in Buddhist Philosophy

(v) त्रिरत्न

Triratna

(vi) अष्टांग योग

Astanga Yoga

(vii) न्याय में अनुमान

Anumana in Nyaya

(viii) सांख्य में विकासवाद

Evolution in Samkhya

(ix) जीवात्मा की विभिन्न अवस्थाएँ

Various stages of Jivatma

(x) न्याय में उपमान

Upamana in Nyaya.

खण्ड 'ब'

(Section – B)

निर्देश : **सभी** प्रश्न करने अनिवार्य हैं।

Instruction : *All* questions are compulsory.

1. गीता में वर्णित 'स्थितप्रज्ञ' के संप्रत्यय को समझाइये।

   Explain the concept of 'Sthita-prajna', according to Gita.

अथवा (OR)

भारतीय दार्शनिक संप्रदायों के वर्गीकरण पर एक निबन्ध लिखिए।

Write an essay on the classification of Indian Philosophical schools. 10

2. बौद्ध-दर्शन के 'प्रतीत्य-समुत्पाद' का वर्णन कीजिए।

   Describe 'Pratitya-Samutpad' in Buddhism.

अथवा (OR)

जैन-दर्शन में 'कैवल्य' विचार को स्पष्ट कीजिए।

Explain the notion of 'Kaivalya' in Jainism. 10

3. सांख्य की तत्त्व-मीमांसा का संक्षेप में वर्णन कीजिए।

   Give a brief description of Metaphysics of Samkhya.

अथवा (OR)

योग में समाधि की अवस्थाओं का विवेचन कीजिए।

Explain the stages of Samadhi in Yoga. 10

4. न्याय में 'प्रत्यक्ष' के स्वरूप व प्रकारों पर प्रकाश डालिए।

   Throw light on nature and types of 'Pratyaksha' in Nyaya.

अथवा (OR)

न्याय की ज्ञान-मीमांसा के महत्व पर एक संक्षिप्त निबंध लिखिए।

Write a short essay on the importance of Epistemology of Nyaya. 10